2025

M.A. 1st Semester Examination

HINDI

Paper : HINC401X0

(कथेत्तर साहित्य)

Full Marks : 50 Time : Two Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'कविता क्या है' निबन्ध में शुक्ल जी के कविता सम्बंधी विचारों की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'एक कहानी यह भी' में मन्नू भण्डारी के स्त्री-दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए।

(ग) पठित पाठ के आधार पर 'पथ के साथी' में व्यक्त महादेवी के विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) 'अकाल उत्सव' की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार का यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) पठित अंश के आधार पर 'मेरी तिब्बत यात्रा' पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) 'भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है' निबन्ध की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

(ग) 'आवारा मसीहा' के पठित अंश में व्यक्त विष्णु प्रभाकर के जीवनीकार रूप का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) समाज और परिवार व्यक्ति को बंधन में बाँधकर रहते हैं। ये बंधन देशकालानुसार बदलते रहते हैं और उन्हें बदलते रहना चाहिए वरना वे व्यक्तित्व के विकास में सहायता करने के बदले बाधा पहुँचाने लगते हैं। बंधन कितने ही अच्छे उद्देश्य से क्यों न नियत किये गये हों, है बंधन ही, और जहाँ बंधन है वहाँ असन्तोष है तथा क्रान्ति है। — इस अंश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(ङ) लेकिन यह भी मैं बता देना चाहता हूँ कि आज का उच्चतर वर्ग अधिक जड़ और अधिक प्रतिगामी हो गया है। वह इस समय साहित्य में ऐसे विचारों का प्रचार करना चाहता है जिनके द्वारा हमारा साहित्यिक व्यक्ति अनुभूत वास्तवों की पाशविकता और मानवीयता पर परदा डाल दे, और वह जनता की ओर उन्मुख न हो। — इस अंश का भाव पल्लवन कीजिए।

(च) 'महाराज, आप क्यों इस झंझट में पड़ गए। आप अगर साल भर भी यहाँ चक्कर लगाते रहें, तो भी काम नहीं होगा। आप तो सीधे बड़े साहब से मिलिए। उन्हें खुश कर लिया तो सभी काम हो जाएगा। — इस अंश की मूल भावना स्पष्ट कीजिए।

Internal Assessment - 10 marks